Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 24-08-2005

Participants : Agarwal Shri Dhirendra

>

Title : Need to check production of liquor from foodgrains, with a view to pre-empt shortage of foodgrains in the country.

डॉ. धीरेन्द्र अग्रवाल (चतरा) : महोदय, देश में शराब कंपनियों द्वारा मोयलेसिस के स्थान पर अनाज से शराब बनाने का प्रचलन शुरू हो गया है और कई शराब कंपनियां इन्हीं अनाजों से शराब बना रही हैं, जिसके कारण अनाज का अभाव कभी भी हो सकता है और विदेशी मुद्रा खर्च करके अनाज का आयात करना पड़ सकता है। देश में बाढ़ एवं सूखा पड़ने से अनाज का उत्पादन कम होने की स्थिति में शराब कंपनियां इन्हीं अनाजों से शराब बनाने का काम करती रही तो देश में अनाज बहुत महंगा होगा, जिसका भार देश की गरीब जनता पर पड़ेगा। यह भी जानकारी मिली है कि जो गेहूं और चावल गरीब लोगों के आवंटन के लिए होता है, उसी गेहूं और चावल को चोरी से शराब कंपनियां ले रही हैं।

सदन के माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध है कि देश में अनाज से शराब बनाने के काम को लोकहित में जल्द रोका जाए एवं इसकी सीबीआई जांच भी करवाई जाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Rajaram Pal - not present;

Shri Anant Gudhe - not present; Shri Chandrakant Khaire: